अधूरी सी एक कहानी

(पुस्तक के कुछ अंश)

मेरी कहानी उस समय शुरू होती है । जब मै मेरी दी के ससुराल पूणा उनसे मिलने के लिए गया था। बचपन से ही मेरी दी मेरे दिल के सबसे करीब थी। उनकी शादी के बाद मै बहुत अकेला सा हो गया था। मै बहुत खुश था उस दिन अपनी दी से मिलकर ।शाम को जीजा जी ने कहा चलो साले साहब आपको मार्किट घूमा लाते है । मै और मेरे जीजाजी हम मार्किट घूम कर लोट रहे थे । तब जीजा जी बोले की मुझे किसी काम से एक दोस्त के घर जाना है । तुम भी चलो मेरे साथ बस जल्दी ही आ जायेगंे।

मैंने कहा- ठीक है । चलो।

वहा मैंने उसको सबसे पहले देखा था। वो प्यारी सी,सिम्पल सी लडकी चाय देने आई हमे। उसने मुझे देखा, मैने उसे , उसने मुझे देखकर अपनी नजरें चुुरा ली थी। फिर हम अपने घर आ गये। ये मेरी उस से पहली मुलाकात थी । जब मैने उसको देखा था। आगे............

मेरी कहानी उस समय शुरू होती है । जब मै मेरी दी के ससुराल पूणा उनसे मिलने के लिए गया था। बचपन से ही मेरी दी मेरे दिल के सबसे करीब थी। उनकी शादी के बाद मै बहुत अकेला सा हो गया था। मै बहुत खुश था उस दिन अपनी दी से मिलकर ।शाम को जीजा जी ने कहा चलो साले साहब आपको मार्किट घूमा लाते है । मै और मेरे जीजाजी हम मार्किट घूम कर लोट रहे थे । तब जीजा जी बोले की मुझे किसी काम से एक दोस्त के घर जाना है । तुम भी चलो मेरे साथ बस जल्दी ही आ जायेगंे।

मैंने कहा- ठीक है । चलो।

वहा मैंने उसको सबसे पहले देखा था। वो प्यारी सी,सिम्पल सी लडकी चाय देने आई हमे। उसने मुझे देखा, मैने उसे , उसने मुझे देखकर अपनी नजरें चुुरा ली थी। फिर हम अपने घर आ गये। ये मेरी उस से पहली मुलाकात थी । जब मैने उसको देखा था।

कुछ दिन बाद उनके यहाॅ कोई प्रोेग्राम था। मै भी जीजा जी के साथ उनके घर गया था। वहा मेरी मुलाकात फिर से उसके साथ हूई । मैने उसे देखा और उसने मुझे एक पल के लिए फिर से नजरे मिली । और वो नजरे चुरा कर निकल गई। उसे सब पता था । मेरे बारे मे की मै कौन हूॅ, मेरा नाम,कहा से हू । पर मुझे उस वक्त तक कुछ भी पता नही था । उसके बारे में की कौन है वो, क्या नाम है उसका । मैने तो कभी सोचा भी नही था। कि किसी लडकी से यू मुलाकात होगी और वो दिल मे यु उतर जायेगी। कुछ समय बाद मै प्रोग्राम से घर आ गया। आकर उसके बारे मे ही सोच रहा था। फिर मैंने अपनी फेसबुक ऑपन किया। तो देखा किसी लडकी का मेसेज आया हुआ था। मै कन्फयूज हो जाता हू पता नही कौन है , किसका मैसेज है । मैने मैसेज किया । कोैन हो आप । क्या जानती हो आप मुझे जो मैसेज किया ।सामने से रिप्लाय आया। अभी तो देखा था । फंक्शन मे भूल भी गये पहचाना नही । मै समझ गया ये वही लडकी है । फेश पर यु लम्बी सी स्माईल आ गई थी । उस दिन से फेसबुक पर हमारी बाते होना शुरू हो गई। और बाते दिन बे दिन बढती ही गई ओर हम एक दुसरे के ज्यादा कलोज आते गये। फिर नम्बर एक्सचेंज हुंये और काॅल पर भी बातें होने लगी । एक दिन भी उस से बाते किये रहना मुश्किल था। जैसे जिंदगी की जरूरत बन गई थी वो। अब मै सब काम छोड कर उसे वक्त देने लगा था। सुबह-शाम -रात जब मौका मिलता उसे बात करता। उसको बहुत प्यार करने लगा, पर कहने से डरता था। मैंने सोचा शायद वो भी मुझे चाहती हो ओर कहने से डरती हो। मैंने उसकी मन की बात जानने के लिए एक दिन उसको कहा - मै अपनी फैन्डस के साथ कल दिल्ली घुमने जा रहा हूॅ। शायद कल आपसे बात ना हो पाये।

उसने कहा- किस फ्रेन्डस के साथ।

मैंने कहा- आशा के साथ मेरे साथ कम्पनी मे जाॅब करती है ।

उसने कहा - ठीक है और गुस्से मे फोन काट दिया।

उसके मन की बात जान ने के लिए मैंने ऐसे ही झुठ बोल दिया उसको ।उसका तो पता नही पर मेरी जो हालत थी उस समय बिन पानी मछली जैसी हो गई थी। उस से बात ना होने पर मै ं इतना तडप रहा था। पुरे एक दिन उस से बात नही की ऐसे लगा जैसे महिनो बीत गये हो। जब अगले दिन मैंने उसे गुड मोर्निग मेसेज किया। तो उसने रिप्लाय ही नही किया । कई मेसेज किये उसको हाय के लेकिन रिप्लाय नही ।

मैंने पुछा- गुस्सा हो क्या।

उसने कहा- क्या जरूरत थी आज भी मेसेज करने की घुम लेते अपनी फैंन्डस के साथ।

मैंने कहा- तो अब बात समझ मे आई । रिप्लाय क्यो नही किया । ये सब मजाक था ं। मैंने हिम्मत करके अपने दिल की बात उसको बता दी। वो भी मान गई । वो बोली उस दिन पसन्द करते ही तुम्हे जब पहली बार देखा था। तब जैसे मुझे जन्नत मिल गई थी। उसके इस इकरार से दिल को अजीब सा शुकून मिला था।

ऐसे ही रोज उस से काॅल पर बात होने लगी । मैंने उस से शादी के लिए बात की । उसने कहा - की उसके घर वाले नही मानेगे । कुछ भी हो जाये पर हम शादी करके रहेंगे -मैंने उस से कहा।

ऐसे ही बातें करते करते काफी दिन बीत गये। एक दिन उसके भाई को हमारे बारे मे सबकुछ पता चल जाता है । वो उसे बहुत डाटता है । वो मुझसे बात ना करे ये कहता है । पर दिल के हाथो मजबूर वो मुझसे बातें करना नही छोडती ।

मैनंे उसको कहा- मै तुम्हारे भाई और फैमिली से बात करू। मै अपनी फैंमिली को भी मना लूगा । इस रिश्ते के लिए।

उसने कहा - नही अभी रहने दो। कोई अच्छा मौका देखकर बता देना।

धीरे धीरे बात मेरी फैमिली तक भी पहूच गई । जीजा और जीजी को भी सब पता चल गया। उन्होने कहा ये शादी किसी भी सूरत मे नही हो सकती । मेरी फैमिली इस शादी के खिलाफ हो जाती है । पर मै सब कुछ भुलकर अपने प्यार के लिए आगे बढा। मैने कहा अगर शादी करूंगा तो बस उस लडकी से नही तो कभी नही करनी मुझे शादी । लेकिन उसने कहा । वो अभी शादी नही

कर सकती। मैंने कहा उसको की मैंने अपने घर पर सब बता दिया है हमारे बारे मे । तुम भी बता दो मैंने उसको कहा।

उसने मुझे कसम दी की अभी नही । थोडा वेट कर लो । टाईम आने पर सब बता दूंगी - उसने कहा।

मैंने उसके बात करने का वेट किया , की कब वो अपने घरवालो को बतायेगी। ऐसे करते करते पूरा एक साल गुजर गया।

मैंने कहा उसको- यार अब तो बात करलो। तुम कहो तो मै बात करू।

लेकिन उसने मेरी बातो को टाल दिया। मै बहुत परेशान रहने लगा था। बातेे करना भी कम कर दिया था उसने। जब भी मै उसको काॅल करता तो बहाने बना कर काॅल जल्दी कट् कर देती। मुझे महसूस होने लगा था की वो बदल रही है ।

मैंने कहा उसको - तुम बदल रही हो।

उसने कहा - ये वहम है तुम्हारा।

मैंने फिर भी उस पर विश्वास किया। और 6 महिने निकल ंजाते है ।

अब उसने व्हटसप यूज करना स्टार्ट कर दिया। मैंने उसको मेसेज किया।

वो मेसेज का रिप्लाय कर आॅफलाईन हो जाती। वो बदलने लगी थी। काॅल पर भी उसने बातें बन्द कर दी थी । 15-20 दिना मे बस 1- 2 बार काॅल पर बात होती थी। मै उसके आॅनलाइन आने का वेट करता। ओर वो आनलाईन देखकर आॅफलाईन हो जाती । सभी मेसेजस को इग्नोर करने लगी थी । बस कभी कभार एक - दो मेसेजस का रिप्लाय कर देती । ओर मै खुश हो जाता। और सबकुछ भूल जाता।

लेकिन किस्मत को शायद कुछ और मंजूर था। वो अब रात को 1- 2 बजे तक आॅनलाईन रहने लगी। मै उसे मेसेज करता वो रिप्लाय का वेट सारी रात करता । एक दिन मैंने उस से पुछा की तुम कहा बीजी रहती हो। रात को मेरे मेसेजस देखकर भी इग्नोर कर देती हो। क्यांे , क्या वजह है इसकी ।

उसने कहा- तुम बेवजह मुझ पर शक कर रहे हो। मै बहुत प्यार करती हू तुम्हे और तुम्ही से शादी करूंगी । बस इन्तजार करो और मैंने दिल के हाथो मजबूर फिर उस पर भरोसा कर लिया।

लेकिन एक दिन मेरा सबर टूट गया। जब वो देर रात तक व्हट्सप पर बिजी रही और मेरे किसी भी मेसेज का रिप्लाय नही किया। उस रात सबर के साथ .साथ मेरा दिल भी टूट गया। मन मे अजीब अजीब खयाल आने लगे थे कि, वो की किसी और के साथ, कही उसकी लाईफ में कोई और तो नही आ गया। कही वो उसे टाईम पास के लिए युज तो नही कर रही,कही वो मेरी फिलिंग्स का मजाक तो नही बना रही।........

मैंने सबकुछ भुलकर उसी वक्त उसको काॅल किया। एक बार , दो बार, पचास बार लेकिन उसने फोन पीक नही किया। उस रात मुझे निन्द नही आई । और सुबह उसने काॅल किया ।

उसने गुस्से मे कहा- आप पागल हो क्या? क्यो आधी रात मे काॅल पर काॅल कर रहे थे?

मैंने उसको कहा- की क्यो तुम मुझे इग्नोर करती हो? क्यो बात नही करती आज कल?

उसने कहाः तुम बेवजह मुझ पर शक कर रहे हो।

मैंने कहा- तो क्यो तुम पुरी रात आॅनलाइन होकर भी मेरे मेसेज का रिप्लाय नही करती? आनॅलाइन रहकर किस से बात करती हो?

वो खामोश हो गई । और मेरी किसी भी बात का जवाब नही दिया। और फोन कट कर दिया। मैंने उससे कई बार बात करने की कोशिश की लेकिन उसने हर बार फोन कट कर दिया। मैंने उसे फेशबुक और व्हट्सप पर भी मेसेज किये। और रोज उसे फोन करता । लेकिन वो हर बार फोन कट कर देती। और मुझे फेशबुक और व्हट्सप पर ब्लोक कर दिया ताकि मैं उस से बात ना करू।

उस वक्त मुझ पर जो बिती थी । बस मुझे पता था। बिलकुल टूटकर रह गया था मैं । ना किसी से बात करना । ना जाॅब पर जाना । ना खाना पीना । दोस्तो से भी दूर हो गया मैं। इन्तजार था तो बस इस बात का की कब वो मुझे अनब्लोक करेगी । कब वो खुद से बात करेगी। कब मैं उस से बात कर पाउंगा।

देखते ही देखते इस बात को 3 साल गुजर गये और आज भी मुझे उस से बात करने के लिए उसके मेसेज और काॅल का इन्जार है । इन्तजार है की कब मै उस से बात करूगा । और पुछंूगा की क्या मेरी यही गलती थी की खुद से भी ज्यादा प्यार किया। खुद से भी ज्यादा भरोसा किया जो तुमने मेरे साथ ये किया। आखिर क्या वजह थी जो मेरे साथ ऐसा किया । मुझे इन्तजार है अपनी अधुरी रह गई इस कहानी के सवालो के जवाब का आज भी । और तब तक रहेगा जब तक मुझे मेरे सवालो का जवाब नही मिल जाता।